

# सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज, दिल्ली – 110092

सत्र – 2024–2025

कक्षा :- तीन

विषय – हिन्दी

पाठ – 4 (स्वास्थ्य ही धन है)

–: कठिन शब्द :-

1. व्यायाम
2. सामर्थ्य
3. हानिकारक
4. स्वस्थ
5. वरदान
6. संचार
7. स्वच्छ
8. प्रसन्न
9. मनुष्य
10. आनंद

–: लघुत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न – 1 कैसा व्यक्ति कभी रोगी नहीं होता?

उत्तर – जिस मनुष्य को व्यायाम की आदत पड़ जाती है, वह कभी रोगी नहीं होता।

प्रश्न – 2 व्यायाम करने वाला स्थान कैसा होना चाहिए?

उत्तर – व्यायाम करने का स्थान खुला, साफ और हवादार होना चाहिए।

प्रश्न – 3 हमें व्यायाम कब-कब करना चाहिए?

उत्तर – हमें व्यायाम प्रतिदिन उचित समय पर करना चाहिए।

प्रश्न – 4 व्यायाम करने के ढंग कौन-कौन से हैं?

उत्तर – व्यायाम करने के अनेक ढंग हैं जैसे – टहलना, भागना-कूदना, दंड बैठक लगाना, तैरना तथा पी.टी.।

प्रश्न – 5 व्यायाम की आदत पड़ने से क्या होता है?

उत्तर – व्यायाम की आदत पड़ने से मनुष्य कभी रोगी नहीं होता।

—: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :-

**प्रश्न – 1 कौन-से बच्चे जल्दी बीमार हो जाते हैं?**

**उत्तर –** कुछ बच्चे प्रातः उठना उचित नहीं समझते। देर-देर तक सोए रहते हैं। ऐसे बच्चे बहुत जल्दी बीमार हो जाते हैं।

**प्रश्न – 2 कौन-से खेलों से शरीर चुस्त और स्वस्थ बनता है?**

**उत्तर –** क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, तैराकी, टेनिस आदि खेलों से शरीर चुस्त और स्वस्थ बनता है।

**प्रश्न – 3 व्यायाम करने से क्या-क्या लाभ हैं?**

**उत्तर –** व्यायाम करने से शरीर को अनेक लाभ प्राप्त होते हैं, जैसे शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है। शरीर हल्का-फुल्का रहता है। मन प्रसन्न रहता है। पाचन शक्ति ठीक रहती है तथा मोटापा भी नहीं बढ़ता।

**प्रश्न – 4 स्वास्थ्य को सबसे बड़ी संपत्ति क्यों कहा गया है?**

**उत्तर –** स्वास्थ्य को सबसे बड़ी संपत्ति इसलिए कहा गया है क्योंकि यदि शरीर स्वस्थ नहीं होगा तो मनुष्य के पास कितनी भी संपत्ति क्यों न हो वह उसका आनन्द नहीं ले सकता।

—: वाक्य प्रयोग :-

**क. वरदान – वर**

**वाक्य –** हमें ईश्वर से सदैव अच्छे स्वास्थ्य का वरदान माँगना चाहिए।

**ख. प्रतिदिन – रोज**

**वाक्य –** हमें व्यायाम प्रतिदिन उचित समय पर करना चाहिए।

**ग. स्वच्छ – साफ**

**वाक्य –** हमें अपने आस-पास का वातावरण स्वच्छ रखना चाहिए।

**घ. उचित – सही**

**वाक्य –** हमें कार्य को सदैव उचित समय पर करना चाहिए।